

सम्पादकीय

सबसे शिक्षित प्रदेश केरल

देश के सबसे शिक्षित प्रदेश केरल है। यहां के युवक युवतियां भारी संख्या में दूसरे देशों में जाकर नौकरी करते हैं। कभी अस्पताल में केरल के युवतियों का नासों के रूप में बोल बाल रखता था। पर रविवार को इसायों के प्रार्थना सभा में हुआ धमाका चिन्नायें पैदा करने वाला है। यहां के मुख्यमन्त्री समाज के एक वर्ग में तेजी से कहरता का प्रसार देखने के मिल रही है। कहते हैं न बिंच्ची बातों का असर दें से होता है पर बुरी बातों का असर बहुत जल्दी होता है।

रविवार को यहां इसायों के एक प्रार्थना सभा में हुआ धमाका कई नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। भारतीय राज्य व्यवस्था की सुरक्षा को गम्भीर चोट पहुंचाने वाले हो रहा है और सामाजिक समरसता को भी गम्भीर चोट पहुंचा रहा है। इस कानून के तह में जाकर गुजरात का पकड़कर उसकी असलियत को निहायत जरूरी है। राज्य भ्रम और कपोलाकारियत बातें फैलती रहीं हैं तब तब की कालानिया फैलती रहीं। जो हालात को बदल बनाते रहे। प्रार्थना सभा में हुए धमाकों में दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत हो चुकी है। जाहिर है कि प्रार्थना सभा इसायों की थी इसलिये मने वाले भी इसी ही थे। इस हमले का मास्टर माइन्ड कौन है मामले की असलियत जानने के लिये उसकी असलियत जानना जरूरी है। बयोंकी मौत तो तीन हुई है पर यात्रों की संख्या 50 से ज्यादा है। विसेसे की जिम्मेदारी इसायों के यात्रों विटेसे सम्प्रदाय के संदर्भ नीले हैं। उसने सोशल मीडिया पर एक विडियो में दर्शन किया है। पोस्ट में बताया है कि उसने महसूस किया है कि यह सम्प्रदाय देश द्वारा ही है और गलत शिक्षा देता है। पोस्ट करने वाला अपना नाम डोमेनिक मार्टिन बताया है और त्रिवृतु पुलिस के समाने समर्पण कर दिया है।

यहां का इसाई समाज राजनीति में अपनी विस्तैरित बढ़ावे के लिए परेशान है। इसे लेकर कई तरह की कार्यान्वयन पार्टियों और राष्ट्रीय स्तर सेवक सचिव के कार्यक्रमों में लेख अपें संघर्ष चल रहा है जो अभी भी जारी है। अपसोन्नात का बाबू रह तो यह है कि यह संघर्ष को आगे और प्रचार कर ही सीमित नहीं है। यह खूनी संघर्ष का रूप है जो बाहर की दृष्टि के लिये असुरक्षित हो चुकी है। सुझकूप के अवलोकन का वर्जन तो ही अपें अपराध प्रभाव भारत के जन जीवन पर पड़े। भारत अपनी पुरानी नीति को दोहराता रहता है और उसका अनुशरण भी जीवन तो ही रहता है। विदेशों में प्रचार भी जीवन को बैठकों में भी अपें तरस्था और मानवीय गणनायों को सबके बदलता रहता है। भारत इसाई और अनुदर देशों को उपी पर चर्चने के लिये प्रत्याहित करता रहता है। भारत इसाई और जिन्सीने विदेशों को आतंकी संगठनों को प्रात्रय न देने के लिये प्रतिरक्त करता रहता है। चुक्की भारत आतंकवाद से प्रियाणी का विरोध है। विदेशों में हुए यात्रों की केन्द्र राज्य की सुरक्षा एजेंसियां तबाह करनी हैं जिन्होंने यात्रों को अन्याय देने वालों का पता लगा कर उके खिलाफ लड़ायित करावायी और उन्हें कंटरे में पहुंचाये उनके मनताओं का भी पता लगाया। उन्हें प्राप्त होने वाले धन श्रोतों और उन्हें दाताओं को कानी भी पता लगाया। कोई विदेशी एजेंसी तो इहें मदद नहीं दे रही है। इसका नेटवर्क हो तो उस पूरी तरह नष्ट करे। मुक्त में कुछ राज्यों में विधानसभा के और 2024 में लोकसभा चुनाव असंभव है। विधानसभा के चुनाव का कार्यक्रम भी आ चुका है। इस असर पर विदेशी और देशी ड्रगनकारी समूह और एजेंसियां माहोल बिडाने के लिये तरफ रहती हैं। यह साल खासतार सेन्टर का चुनाव काफी संघर्षपूर्ण दिख रहा है क्योंकि अन्य पार्टीयां भाजपा के एकक्षर लम्बे अवधि से परेशान हैं।



ललित गांव

वर्ल्ड कप के बीच डेविड विल ने की इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा

इंटर्लैंड के तेज गेंदबाज डेविड विली ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुद इसकी जानकारी दी। वहीं उन्होंने लिखा कि वो भारत में खेले जा रहे वनडे वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट दोबारा कभी नहीं खेलेंगे।

वर्ल्ड कप के बाद डेविड के तेज गेंदबाज डेविड विली ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुद इसकी जानकारी दी। वहीं उन्होंने लिखा कि वो भारत में खेले जा रहे वनडे वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट दोबारा कभी नहीं खेलेंगे।

बता दे कि, विली ने एक पर लिया, कि कभी नहीं चाहता था कि ये दिन आएँ। विलन से ही मैं वहाँ से एक ही स्फाना देखा-इंटर्लैंड के लिए क्रिकेट खेलने का। इसलिए



काफी सोच विचार करने के बाद बहुत ही अफसोस के साथ कहना चाहता है कि इस वर्ल्ड कप के आखिरी के इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से मौजूद संन्यास लेने के ज्यादा विकेट के बाद विली ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए, जो रहे वनडे वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट दोबारा कभी नहीं खेलेंगे।

बता दे कि, विली ने एक पर लिया, कि कभी नहीं चाहता था कि ये दिन आएँ। विलन से ही मैं वहाँ से एक ही स्फाना देखा-इंटर्लैंड के लिए क्रिकेट खेलने का। इसलिए

इंटर्लैंड वेस्टइंडीज के खिलाफ हारा था। विली दार्ढं हाथ के बल्लेबाजों की श्रिंखला परकरने के लिए जाना जाता है। विली ने अपने पिछले मैच में विराट कोहली, केएल राहुल और सुवेंगुमुर यादव के अहम विकेट सतत 3 विकेट लेकर भारत के नियमान को हाराया।

विली के संन्यास का ऐलान ऐसे समय में आया है, जब गत चैपियन इंटर्लैंड की टीम का इस वर्ल्ड कप में प्रशंसन बेहतरीन जीत कर रहा है और उसे अपने खेले 6 मैचों में 5 में हार का समाप्त करना पड़ा है। इंटर्लैंड की वनडे वर्ल्ड कप टीम में शामिल 33 साल के डोवेंड विली ने 2015 में आयरलैंड के खिलाफ वनडे मैच से इंटर्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट के बाद विली ने 6 मैचों में 10 विकेट और 43 टी20 में 51 विकेट झटके हैं।

भारत के अनुभवी तैयार वीरधवल खाड़े ने राशीय खेलों में 50 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीतने के बाद घरेलू दूरमिटों को अलविदा कह दिया। बींजिंग ओलंपिक 2008 के लिये क्लालीफाई करने वाले भारत के सबसे युवा तैयार हो खाड़े ने भारत के उद्योगान स्टार श्रीहरि नियमान को हाराया।

खाड़े ने 2010 परियाई खेलों में 50 मीटर बटरस्टाइल में कांस्य पदक जीतकर भारत का 24 साल का इंतजार खत्म किया था। उन्होंने कहा, "मैं 2001 में गोल में ही अपना पहला राशीय पदक जीता था और आज अपना आखिरी राशीय पदक जीतना ही अपना सभी खेलों के लिए उत्तम रूप हो रहा है।" उन्होंने खेलों में फिर स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने खेलों में सोचा भी नहीं था कि वहाँ तक पहुंच़ गा। मैं अपने



कोचों और इस सफर में साथी रहे सभी लोगों को धन्यवाद देता है।

खाड़े ने खोट के कारण कुछ समय दूर रहने के बाद 2018 में बापसी करके तोक्यो ओलंपिक के लिये क्लालीफाई किया था। उन्होंने कहा दिल से मैं अपी भी जबान हूं लेकिन शरीर थक गया है। इतने साल बीते गए और अब इक्विरी ऊर्जी दूरमिट है। भविष्य में शयद कोच बनूं लेकिन यह यह मेरी आखिरी प्रतिस्पृष्ठी रेस थी।

इल्ल द्यी 2023 सेमीफाइनल की ऐस में चार टीमें, पाकिस्तान की उम्मीदें भी जिंदा

पॉइंट्स टेबल में भारत के बाद सात्य अप्रीका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया टॉप चार टीमों की रूपीयता दर्शाते हैं। शामिल हैं। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 की अब तक की टॉप चार टीमों में इंटरनेशनल क्रिकेट के खिलाफ विली के साथ सेमीफाइनल की रूपीयता दर्शाते हैं। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल्ड कप में बल्लंगरीन प्रदर्शन किया था। चार बार 200 लास्स के दूरसंचार सभी फॉर्मेट से आया था। आईसीसी वर्ल्ड कप का 2023 का अब तक की टॉप चार टीमों में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलना है।

सात्य अप्रीका ने इस वर्ल

विदेशी शोर बाजार में सीधे सूचीबद्ध हो सकेंगी भारतीय कंपनियां, कुछ शर्तों के साथ मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने कुछ शर्तों के बिना एकसंचयों में सहित कर्तव्य देखें में अनुभिति प्राप्त विदेशी न्यायशेषों या ऐसे अन्य न्यायशेषों में अनुमति देने का प्रसार दिया था। मामलों के मंत्रालय ने कंपनी कानून के तहत संबंधित धाराओं को अधिसूचना में कहा, कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2020

एकसंचयों में सहित कर्तव्य देखें में अनुभिति देने की अनुमति देती है। कारोबारी अधिसूचना में सूचीबद्ध होने की अनुमति देने का प्रसार दिया था। मंत्रालय ने 30 अक्टूबर को एक विष्णु संस्कृत कर्तव्य देने के लिए एक अनुमति देने की अनुमति देती है। जिस दिन इस अधिनियम, 2020

बेस्ट परफॉर्मिंग जिलों में यूपी का जलवा

- योगी सरकार को जल जीवन मिशन की हार घट जल योजना में लगतार मिल रही उपलब्धियां
- अक्टूबर माह में जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में गाजियाबाद ट्रॉफी एवीर्स (वार सितारा श्रेणी) में तीसरे स्थान पर
- यूपी के औरेया, कानपुरनगर और अयोध्या एवीर्स श्रेणी में क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर
- जैनपुर, अलीगढ़ और बाराबंकी में भी योजना गढ़ रही आयाम, परफॉर्मेंस श्रेणी की लिस्ट में पहले तीन स्थानों पर बनाई जगह
- मथुरा में भी ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पेयजल प्रदान करने का अभियान तेजी से बढ़ रहा आगे

अवधनामा ब्लूरो

लखनऊ। जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में यूपी के जिलों का वर्चस्व लगतार बना हुआ है। अक्टूबर माह की जारी रिपोर्ट में यूपी के जिलों में कई जिले बेस्ट परफॉर्मिंग जिलों में सबसे ऊपर हैं। गाजियाबाद (हाई एवीर्स) की लिस्ट में शामिल हुआ है। 75 से 100 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन प्रदान करने वाली इस



हर श्रेणी में यूपी के जिले अवल

जल जीवन मिशन की वेबसाइट पर दिये गये आंकड़ों के मुताबिक गाजियाबाद को जहां हाई एवीर्स लिस्ट में तीसरा स्थान मिला है, वहीं एवीर्स में यूपी के औरेया, कानपुर और अयोध्या क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। परफॉर्मेंस की लिस्ट में भी यूपी के जिलों में मथुरा को दूसरे बज्रज पर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना को उत्तर प्रदेश की योजना अदित्यनाथ सरकार कर्वी तेजी से आगे बढ़ा रही है। बुद्धेलखण्ड में जहां जल कनेक्शन प्रदान किये जाने का कार्य अंतिम चरणों में है। वहीं प्रदेश के अन्य सभी जिलों में लक्ष्य पूरा करने में विभाग के अधिकारी जुटे हैं।

सर्वेक्षण में विभिन्न मापदंडों पर उत्तराना पड़ता है खारा

बता दें कि यूपी के जिले हर माह देश में होने वाले सर्वेक्षण में वाटर कालिटी, महिलाओं को जल जांच का प्रशिक्षण प्रदान करने, ग्रामीण परिवारों के बल कनेक्शन प्रदान करने जैसी विभिन्न मापदंडों पर भी खरे उतरे हैं। इस सर्वेक्षण में योजना की प्रगति के आधार पर विभाग वाले अंकों से देश भर में जिलों का बुनाव किया जाता है।



पीएम नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली में एशियाई पैरा गेम्स में पदक विजेता खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफाजाई की। इस दौरान स्वर्ण पदक जीतने वाले यूपी के आईएस अधिकारी सुहास एल वाई को पीएम ने देश और प्रदेश के लिए अंजिं उपलब्धि के लिए सम्मानित किया।

मौलाना डॉ. कल्वे सादिक की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

सीएम मुस्तिलम बच्चों के एक हाथ में कुरान और दूसरे में लैपटॉप देखना चाहते हैं: धर्मपाल

- कल्वेर बिट्या अभियान के लिए 16 गरीब बालिकाओं का यान



अवधनामा ब्लूरो

लखनऊ। अम्बर फाउण्डेशन की ओर से पदमभूषण शिक्षाविद व धर्मपाल मौलाना डॉ. कल्वे सादिक की याद में बुधवार को हृसूनाबाद स्थित यूनिटी कोलेज में श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण एवं हजार मंत्री धर्मपाल सिंह उत्तरान के लिए उत्तरान वर्ष 2023 के बाहरी बच्चों पर उत्तरान लड़ रहे हैं। उत्तराने जौहर विविध कार्यक्रमों के बाहरी बच्चों की मानसिकता दर्शाता है कि सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं चाहती। इस तरह भाजपा सरकार अपने धर्मचार दिया था, लेकिन भाजपा सरकार लगतार इस कानून को खाल करना की पूरी व्यवस्था है। दो व तीन व्यवस्थाएँ के एक साथ ठहने पर पैकेज मूल्य 60300 रुपये प्रति व्यक्ति, एक व्यक्ति का पैकेज मूल्य 88000 रुपये, जबकि प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 55200 रुपये वेद सहित और मूल्य 51000 मूल्य 51000 रुपये बेद सहित करना की योजना वाली जलवा का कहना है कि राजनीतिक दलों को मिले चर्दे मदद करो, उनके चुनाव लड़ने से हमें फायदा होगा।

इससे स्पष्ट है कि जिन दलों का राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई जनानने की भी अधिकारी नहीं हैं कि वह पैसा कि कहा रहा है। यह भाजपा सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं चाहती। इस तरह भाजपा सरकार अपने धर्मचार के एक साथ ठहने पर पैकेज मूल्य 60300 रुपये प्रति व्यक्ति, एक व्यक्ति का पैकेज मूल्य 88000 रुपये, जबकि प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 55200 रुपये वेद सहित और मूल्य 51000 मूल्य 51000 रुपये बेद सहित करना की योजना वाली जलवा का कहना है कि राजनीतिक दलों को प्रति व्यक्ति है।

हमें फायदा होगा।

इससे स्पष्ट है कि जिन दलों का राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई जनानने की भी अधिकारी नहीं हैं कि वह पैसा कि कहा रहा है। यह भाजपा सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं चाहती। इस तरह भाजपा सरकार अपने धर्मचार के एक साथ ठहने पर पैकेज मूल्य 60300 रुपये प्रति व्यक्ति, एक व्यक्ति का पैकेज मूल्य 88000 रुपये, जबकि प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 55200 रुपये वेद सहित करना की योजना वाली जलवा का कहना है कि राजनीतिक दलों को मिले चर्दे मदद करो, उनके चुनाव लड़ने से हमें फायदा होगा।

इससे स्पष्ट है कि जिन दलों का राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई जनानने की भी अधिकारी नहीं हैं कि वह पैसा कि कहा रहा है। यह भाजपा सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं चाहती। इस तरह भाजपा सरकार अपने धर्मचार के एक साथ ठहने पर पैकेज मूल्य 60300 रुपये प्रति व्यक्ति, एक व्यक्ति का पैकेज मूल्य 88000 रुपये, जबकि प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 55200 रुपये वेद सहित करना की योजना वाली जलवा का कहना है कि राजनीतिक दलों को मिले चर्दे मदद करो, उनके चुनाव लड़ने से हमें फायदा होगा।

हमें फायदा होगा।

इससे स्पष्ट है कि जिन दलों का राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई जनानने की भी अधिकारी नहीं हैं कि वह पैसा कि कहा रहा है। यह भाजपा सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं चाहती। इस तरह भाजपा सरकार अपने धर्मचार के एक साथ ठहने पर पैकेज मूल्य 60300 रुपये प्रति व्यक्ति, एक व्यक्ति का पैकेज मूल्य 88000 रुपये, जबकि प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 55200 रुपये वेद सहित करना की योजना वाली जलवा का कहना है कि राजनीतिक दलों को मिले चर्दे मदद करो, उनके चुनाव लड़ने से हमें फायदा होगा।

हमें फायदा होगा।

इससे स्पष्ट है कि जिन दलों का राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई जनानने की भी अधिकारी नहीं हैं कि वह पैसा कि कहा रहा है। यह भाजपा सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं चाहती। इस तरह भाजपा सरकार अपने धर्मचार के एक साथ ठहने पर पैकेज मूल्य 60300 रुपये प्रति व्यक्ति, एक व्यक्ति का पैकेज मूल्य 88000 रुपये, जबकि प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 55200 रुपये वेद सहित करना की योजना वाली जलवा का कहना है कि राजनीतिक दलों को मिले चर्दे मदद करो, उनके चुनाव लड़ने से हमें फायदा होगा।

हमें फायदा होगा।

इससे स्पष्ट है कि जिन दलों का राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई जनानने की भी अधिकारी नहीं हैं कि वह पैसा कि कहा रहा है। यह भाजपा सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं चाहती। इस तरह भाजपा सरकार अपने धर्मचार के एक साथ ठहने पर पैकेज मूल्य 60300 रुपये प्रति व्यक्ति, एक व्यक्ति का पैकेज मूल्य 88000 रुपये, जबकि प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 55200 रुपये वेद सहित करना की योजना वाली जलवा का कहना है कि राजनीतिक दलों को मिले चर्दे मदद करो, उनके चुनाव लड़ने से हमें फायदा होगा।

हमें फायदा होगा।

इससे स्पष्ट है कि जिन दलों का राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई जनानने की भी अधिकारी नहीं हैं कि वह पैसा कि कहा रहा है। यह भाजपा सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं चाहती। इस तरह भाजपा सरकार अपने धर्मचार के एक साथ ठहने पर पैकेज मूल्य 60300 रुपये प्रति व्यक्ति, एक व्यक्ति का पैकेज मूल्य 88000 रुपये, जबकि प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 55200 रुपये वेद सहित करना की योजना वाली जलवा का कहना है कि राजनीतिक दलों को मिले चर्दे मदद करो, उनके चुनाव लड़ने से हमें फायदा होगा।

हमें फायदा होगा।

इससे स्पष्ट है कि जिन दलों का राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई जनानने की भी अधिकारी नहीं हैं कि वह पैसा कि कहा रहा है। यह भाजपा सरकार जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं चाहती। इस तरह भाजपा सरकार अपने धर्मचार के एक साथ ठहने पर पैकेज मूल्य 60300 रुपये प्रति व्यक्ति, एक व्यक्ति का पैकेज मूल्य 88000 रुपये, जबकि प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 55200 रुपये वेद सहित करना की योजना वाली जलवा का कहना है कि राजनीतिक दलों को मिले चर्दे मदद करो, उनके चुनाव लड़ने से